भारत सरकार

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

बायोटेक्नोलॉजी विभाग

****

मासिक मंत्रिमंडल सारांश मई-2021

I. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और मुख्य उपलब्धियां:

(i) कोविड-19 के समाधान के लिए डीबीटी द्वारा किए गए उपाय

क. मिशन कोविड सुरक्षा - भारतीय कोविड-19 वैक्सीन विकास मिशन

डीबीटी के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पी एस यू), बीआईआरएससी, द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे "मिशन कोविड सुरक्षा - भारतीय कोविड-19 वैक्सीन विकास मिशन" के तहत कैंडीडेट वैक्सीन विकास के लिए 5 प्रस्ताव, क्षमता वृद्धि के 5 प्रस्ताव और नैदानिक परीक्षण साइटों को सक्षम बनाने के लिए आगे की प्रक्रिया के लिए 19 प्रस्तावों का चयन किया गया है। इसके अलावा, कोवैक्सीन के उत्पादन में तेजी लाने के लिए मिशन कोविड सुरक्षा के तहत तीन पी एस यू अर्थात इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स, हैफकिन बायोफार्मास्यूटिकल्स और भारत इम्यूनोलॉजिकल्स एव बायोलॉजिकल कॉपोरेशन लिमिटेड (बिबकॉल) की क्षमता वृद्धि का समर्थन किया जा रहा है। यह समर्थन उत्पादन क्षमता को बढायेगा, जो सितम्बर, 2021 तक प्रति माह 10 करोड़ से अधिक खुराक तक पहुंच जायेगा।

ख. **टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई)**

विभाग ने क्रमश: 10 और 20 मई, 2021 को टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) की 22 वीं और 23 वीं कोविड-19 कार्यकारी समूह की बैठकों में भाग लिया जिसमें कोविशील्ड वैक्सीन की दो खुराक के बीच अंतराल में संबंधित मुद्दों; गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के टीकाकरण; कोविड टीकाकरण से पहले रैपिड एंटीजन परीक्षण और रुसी वैक्सीन स्पूतनिक बी के कार्यक्रम संबंधी कार्यान्वयन पर विचार विमर्श किया गया।

ग. विभाग ने 19 मई, 2021 को इंडो-यूएस वैक्सीन एक्शन कार्यक्रम के तत्वाधान में राष्ट्रीय एलर्जी और संक्रमण रोग संस्थान और चुनिंदा विशेषज्ञों के साथ उभरते हुए सार्स-कोव 2 के प्रकारों और वैक्सीन के विकास और प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं पर उनके प्रभाव के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए "सार्स कोव 2 अनुसंधान सहयोग

के अवसरों पर परामर्श" नामक बैठक के आयोजन के साथ-साथ उसमें विधिवत रूप से भाग भी लिया।

13 मई, 2021 को सार्स-कोव 2 जीनोमिक अनुक्रमण प्रयासों पर एक आभासी यूरो-भारतीय सूचना सत्र आयोजित किया गया था। बैठक को डीबीटी और भारत के यूरोपीय संघ द्वारा सुगम बनाया गया था और इसमें भारतीय सार्स कोव-2 जीनोम कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) और यूरोपीय रोग नियंत्रण केंद्र (ईसीडीसी) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया । बैठक का उद्देश्य द्विपक्षीय सहयोग की संभावना और मूल्यांकन के तरीकों को समझने पर प्रारंभिक चर्चा करना था।

घ. विभाग ने 19 मई, 2021 को वैक्सीन वितरण सामंजस्य और प्रशासन (विज्ञान एवं तकनीक) पर उप-समूह की बैठक में भाग लिया, जिसमें वित्तपोषण के स्रोतों से संबंधित मुद्दों पर खरीद और वितरण के लिए और अपातकालीन वैक्सीन आपूर्ति के लिए संभावित क्वाड तंत्र पर चर्चा की गई।

ङ. **परीक्षण/निदान**

देश भर के सरकारी संस्थानों में कोविड-19 नमूनों के परीक्षण के लिए हब और स्पोक मॉडल में शहरी/क्षेत्रीय समूह स्थापित किए गए हैं। आईसीएमआर दिशानिर्देशों के अनुसार ये हब संबंधित मंत्रालयों/विभागों (डीबीटी, डीएसटी, सीएसआईआर, डीएई, डीआरडीओ, आईसीएआर इत्यादि) द्वारा अनुमोदित सरकारी प्रयोगशालाएँ हैं। अब तक 21 शहरी/क्षेत्रीय समूहों की स्थापना की जा चुकी है और 46.01 लाख से अधिक नमूनों का परीक्षण किया गया है। कोविड जांच के लिए राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान ने आईसीएमआर के साथ पंजीयन किया है।

ग्रामीण भारत में परीक्षण पहुंच को अधिक सुगम बनाने के लिए, माननीय मंत्री द्वारा कोविड परीक्षण के लिए 18 जून, 2020 को शुरू किए गए आई-लैब (संक्रमण रोग प्रयोगशाला) मोबाइल लैब ने फरीदाबाद क्षेत्र में लगभग 19530 परीक्षण किए हैं। डीबीटी ने परीक्षण जारी रखने के लिए सभी हबों को जनशक्ति सहायता प्रदान की है।

च. डीबीटी-एएमटीजेड नेशनल कमांड कंसोर्टियम (कोविड मेडटेक मैन्यूफैक्चरिंग डेवलपमेंट) भारत में महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों की कमी को दूर करने और आत्मनिर्भरता के चरण की ओर उत्तरोत्तर आगे बढ़ने के लिए स्थापित एक राष्ट्रीय विनिर्माण सुविधा है। ए एम टी जेड अब तक आर टी- पी सी आर के 575 लाख परीक्षण (**> 10** लाख परीक्षण किट 1 दिन), 3.5 लाख कोविड-एलिसा परीक्षण 11 लाख वायरल ट्रांसपोर्ट मीडिया किट, 3000 आई आर थर्मामीटर, 2000 पल्स

ऑक्सीमीटर के साथ 4950 वेंटिलेटर और अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन हासिल करने में सक्षम है।

(ii) जैव सुरक्षा

क. विभाग ने क्रमश: 13 और 27 मई, 2021 को आयोजित आनुवांशिक फेरबदल समीक्षा समिति (आरसीजीएम) की 206वीं बैठक में 35 आवेदनों और 207वीं बैठक में 22 आवेदनों की समीक्षा की। इन आवदनों में आयात/निर्यात/हस्तांतरण/प्राप्ति, सूचना मद और बायोफार्मा के लिए चिकित्सा-पूर्व विषाक्तता अध्ययन और कृषि के लिए आयात/निर्यात/हस्तांतरण/प्राप्ति और घटना चयन परीक्षण शामिल हैं। प्रत्येक आवेदन पर विचार-विमर्श के बाद आरसीजीएम द्वारा उपयुक्त निर्णय लिया गया।

ख. माह के दौरान, आईबीकेपी पोर्टल पर 07 संस्थागत जैव सुरक्षा समितियों का गठन किया गया था।

(iii) विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) मामले: एससीओएमईटी (विशेष रसायन, जीव, सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकी) मदों के निर्यात की अनुमति मांगने वाले 14 आवेदनों पर विभाग की टिप्पणियों को डीजीएफटी को सूचित किया गया था।

(iv) किसी विशिष्ट क्षेत्र में आरएफपी आधारित वित्तपोषित नई परियोजनाएं

क. बायोटेक यूआरजेआईटी (ऊर्जित) (विश्वविद्यालय अनुसंधान संयुक्त उद्योग ट्रांसलेशनल) समूह

"बायोटेक ऊर्जित क्लस्टर की स्थापना" कॉल के समक्ष प्रस्तुत प्रस्तावों का चयन करने के लिए 18 मई 2021 को राष्ट्रीय बायोटिक ऊर्जित क्लस्टर संचालन समिति की पहली बैठक आयोजित की गई थी। 14 पूर्ण प्रस्तावों में से 7 प्रस्तावों को चयन प्रक्रिया के अगले दौर के लिए चुना गया है।

(v) डीबीटी की सामाजिक रूपरेखा

क. विज्ञान सेतु:

वर्ष 2014 में डीबीटी द्वारा शुरू किया गया **"**विज्ञान सेतु**"** कार्यक्रम हमारे स्वायत्तशासी संस्थानों के वैज्ञानिकों को अवर स्नातक स्तर पर व्यवस्थित शिक्षण प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। इस **"**विज्ञान सेतु**"** पहल के तहत ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टी एच एस टी आई), जैव संसाधन और सतत विकास संस्थान (आईबीएसडी), राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र (एनसीसीएस), क्षेत्रीय जैवप्रौद्योगिकी केंद्र (आरसीबी) और जीव विज्ञान संस्थान (आईएलएस) ने मई, 2021 माह के दौरान वेबिनार ओपन डे कार्यक्रम आयोजित किये।

ख. आजादी का अमृत महोत्सव, भारत @75

विभाग जन भागीदारी के आधार पर देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सक्रिय रूप से आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। माह के दौरान विभाग ने अपने स्वायत्तशासी संस्थानों के माध्यम से और शोधकर्ताओं तथा कॉलेज छात्रों के बीच जुडाव की सुविधा के लिए 16 "विज्ञान सेतु" कार्यक्रम आयोजित किये।

बायोटेक द्वारा समर्पित बायोनेस्ट इनक्यूबेटरों ने पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में बायोनेस्ट इन्क्यूबेटरों के प्रभाव, भारत में मेडटेक अवसरों और कृषि में महिला उद्यमियों आदि के प्रभाव को प्रदर्शित करने जैसे विषयों पर चार रोड शो आयोजित किये।

"नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी के साथ धान की उच्च उपज बौनी कलानामक किस्म को बढ़ावा" देने के लिए ग्राम नियाव, जिला सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश में किसानों की एक बैठक आयोजित की गई थी।

ग. फर्स्ट हब: स्टार्ट-अप और नवप्रवर्तकों के लिए नवाचार और विनियमों की सुविधा

फर्स्ट हब एक सुविधा इकाई है जो बीआईआरएसी में डीबीटी द्वारा स्थापित की गई है ताकि नवप्रवर्तकों के प्रश्नों को हल किया जा सके। दुनिया भर में मौजूदा स्थिति के संबंध में नवप्रवर्तकों के प्रश्नों को हल करने के लिए प्रत्येक माह में वैकल्पिक शुक्रवार को आयोजित फर्स्ट हब सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। मई माह के लिए फर्स्ट हब सत्र 21 मई, 2021 को आयोजित किया गया और इसमें 06 प्रश्नों को हल किया गया। नियामक पाथवे, वित्तपोषण अवसर, सार्वजनिक खरीद, आईवीडी परीक्षण और वैधता, मानक और विनिर्देश, विनिर्माण और परीक्षण बुनियादी ढांचे के समर्थन पर प्रश्नों के समाधान के लिए सीडीएससीओ, आईसीएमआर, एनआईबी, जीईएम, केआईएचटी, बीआईएस, डीबीटी और बीआईआरएसी के प्रतिनिधि उपलब्ध थे।

.

घ. आईबीएससी सदस्य सचिवों और शोधकर्ताओं के लिए आईबीएससी जागरूकता कार्यक्रम की श्रृंखला में क्रमशः दिनांक 06 और 20 मई, 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से छठा तथा सातवां वेबीनार आयोजित किया गया था।

(vi) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:-

क. बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) ने सी एन आर एस, फ्रांस के सहयोग से 19 मई, 2021 को एक आभासी कार्यशाला का आयोजन किया। पारस्परिक हित के आधार पर दोनों संगठनों के वैज्ञानिकों/शोधकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और पोषित

रोगजनक विचार-विमर्श और समुद्री जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करने वाले प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर चर्चा की।

(vii) प्रकाशन और पेटेंट

विभाग के स्वायत्तशासी संस्थानों द्वारा 74 शोध प्रकाशन और 7 पेटेंट दायर/प्रदत्त किए गए।

(viii) एसएएचएजे (सहज): उपयोग और राजस्व

बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने **साइंटिफिक इंफास्ट्रक्चर एक्सेस फॉर हार्नेसिंग एकेडेमिया यूनिवर्सिटी रिसर्च ज्वाइंट** कोलबोरेशन **(सहज)** पोर्टल लांच किया जहां डीबीटी-स्वायत्तशासी संस्थानों और डीबीटी समर्थित अवसंरचना कार्यक्रमों में अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्टार्ट-अप/उद्यमियों को अपने उपकरण और बुनियादी ढांचे को प्रदान करने के साथ साझा भी किया जाता है। माह के दौरान 888 उपयोगकर्ताओं ने डीबीटी स्वायत्तशासी संस्थानों में सेवाओं का लाभ उठाया और कुल 2,29,50,465 /- रूपये का राजस्व अर्जित किया।

(ix) डीबीटी के साथ-साथ डीबीटी के ए आई/पीएसयू द्वारा समर्थित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के माध्यम से विकसित/वाणिज्यिक प्रौद्योगिकी:

विभाग ने बायोटेक स्टार्ट-अप द्वारा विकसित स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों के बारे में चिकित्सकीय ढांचे और कोविड प्रबंधन योजना (ई जी आई) पर सशक्त समूह को अवगत कराया है। डीबीटी-बीआईआरएसी ने उन स्टार्ट-अप्स का समर्थन किया है जिनके उत्पादों को चिकित्सकीय उपकरणों, सहायक/निगरानी उपकरणों, चिकित्सा इन्सट्रूमेंटेशन/उपकरण और कृत्रिम नैदानिकी में वर्गीकृत किया गया है।

II. महत्वपूर्ण मामलों/मुद्दों पर अनुपालन रिपोर्ट

(i) दीर्घकालीन अंतर-मंत्रालयी परामर्श के कारण लंबित महत्वपूर्ण नीतिगत मामले: लागू नहीं

(ii) मंत्रिमंडल/मंत्रिमंडलीय समिति के निर्णयों का अनुपालन: लागू नहीं

अनुपालन के लिए लंबित सीओएस निर्णयों की संख्या	सीओएस निर्णयों के अनुपालन के लिए प्रस्तावित कार्य योजना/समय-सीमा	टिप्पणियां
-	-	-

(iii) तीन महीने से अधिक समय से लंबित 'अभियोजन के लिए स्वीकृति' के मामलों की संख्या: शून्य

(iv) ऐसे मामलों का विवरण जिसमें कार्य के आदान-प्रदान में परिवर्तन हुआ है: शून्य

(v) ई-गवर्नेंस के कार्यान्वयन की स्थिति:

सक्रिय फ़ाइलों की कुल संख्या: 13,223	मई, 2021 के दौरान बनाई गई ई-फाइलों की कुल संख्या- 127

(vi) लोक शिकायतों की स्थिति:

माह के दौरान निवारण की गई लोक शिकायतों की संख्या: 77	माह के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या: 26

(vii) संचालन और विकास में स्थान और तकनीक आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय/विभाग द्वारा उठाए गए कदम: शून्य

(viii) क. इस बात की पुष्टि करें कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के ए.सी.सी. के दायरे में आने वाले सभी पदों के कार्यकाल का विवरण एवीएमएस पर अद्यतन कर दिया गया है: यह पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग (डीबीटी के अंतर्गत आने वाले सभी स्वायत्तशासी संस्थानों और उपक्रमों दोनों) में ए.सी.सी. के दायरे में आने वाले सभी पदों का विवरण एवीएमएस पर अद्यतन कर दिया गया है।

ख. एसीसी के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति: उन मामलों के संबंध में एक पैरा जिनमें अलग-अलग शीर्षकों में ए.सी.सी. निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया हैं: यह पुष्टि की जाती है कि ए.सी.सी. के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

ग. उन मामलों की स्थिति, जहां पीईएसबी से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्ताव अभी एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किए जाने हैं: सूचित किया जाता है कि इसे 'शून्य' समझा जाए।

(ix) सरकारी ई-बाज़ार (जीईएम) की स्थिति:

मई, 2021 माह के लिए जीईएम के माध्यम से कोई खरीद नहीं की गई।